GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON

STUDENT-CENTRIC ACTIVITIES

2022-23

DEPARTMENT OF ECONOMICS

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

विषय :– एम.ए.अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों के पर्यावरणीय भ्रमण की अनुमति तथा इस हेतु राशि प्रदान करने बाबत्।

—''—

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि दिनांक 07.04.2023 को एम.ए. अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों का गंगरेल बांध व मॉडम सिल्ली बांध का पर्यावरणीय भ्रमण प्रस्तावित हैं। इस पर्यावरणीय भ्रमण हेतु सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण कर ली गई है और सभी छात्रों के अभिभावकों से भ्रमण में जाने हेतु पूर्वानुमति ली गई है। इस भ्रमण में अर्थशास्त्र के 03 प्राध्यापक छात्रों के साथ रहेंगे।

महोदय से आग्रह है कि उक्त पर्यावरणीय भ्रमण हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे तथा इसके लिए महाविद्यालय द्वारा प्रदाय राशि स्वीकृत करने का कष्ट करेंगे।

सादर !

दिनांक : 5.04.2023

संलग्न :– भ्रमण हेतु पूर्व की स्वीकृति पत्र।

भवदीय

5/4/23

डॉ. डी.पी.कुर्रे
विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

HEAD,
Department of Economics.
Govt. Digvijai College.
RAJNANDGAON (M. P.)

A/c
राशि प्रदाय करें

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव

अर्थशास्त्र विभाग

दिनांक 07/04/2023 को पर्यावरण अध्ययन भ्रमण पर एम० ए० अर्थशास्त्र के निम्न विद्यार्थीगण शामिल होंगे —

क्रमांक	नाम	हस्ताक्षर	क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1.	भूमिका कांगरे	Bhumika	22	वर्षा साहू	Sahu
2.	सागर सोनी	[signature]	23	गंगोत्री	Gangotri
3.	देवराज वर्मा	[signature]	24	रचना कामडे	Rachankamde
4.	दलेश	[signature]	25	धनेश	धनेश
5.	सरिता	[signature]	26	आशिष कुमार	[signature]
6.	किरण	Kiran	27	ईश्वरी शर्मा	Ishwari
7.	मधुबाला	मधुबाला	28	दुर्गेश मरकाम	Dkumar
8.	नीता	नीता [illegible]	29	गितेश्वर	[signature]
9.	ललिता साहू	Lalita	30	कृतेश	Kritesh
10.	गोपीचन्द	[signature]	31	आशिक	[signature]
11.	जितेन्द्र	jitendrakumar	32	राहुल	[signature]
12.	प्रतीक्षा	Pratiksha	33	नीतिन	[signature]
13.	लेखिका	Lekhika	34	तनुज	[signature]
14.	योगेश्वरी	[signature]	35	अजय	Ajay
15.	कंचन खुटेरी	कंचन खुटेरी	36	मलेश	[signature]
16.	पदमा	[signature]	37	हुमेश	[signature]
17.	खुशबू	Khushboo	38	सतीश	[signature]
18.	हेमिन साहू	Heminsahu	39	दिव्या	[signature]
19.	नंदिता	नंदिता	40	तेजेश्वरी	[signature]
20.	प्रियंका	Priyanka	41	सागर	Sagar khutel
21.	धनराज	धनराज	42	राकेश	[signature]
			43	तरुण	[signature]
			44	भानुप्रिया	Bhanupriya
			45	मंजू	[signature]

HEAD,
Department of Economics.
Govt. Digvijai College.
RAJNANDGAON (M. P.)

LOVELY

अर्थशास्त्र विभाग

Dept. of Economics

Research Project – Topics

M.A. IV Semester – Economics

2022-2023

01	किरण कोवाची	ग्राम पंचायत करमरी के जनजातिय की अभिभावकों की शैक्षणिक अभिवृत्ति का विश्लेषण।
02	खुशबू साहू	सफाई कर्मचारियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव में लखोली नगर के संदर्भ में)।
03	कीर्तन कुमार साहू	फुटकर व्यापारी के सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
04	ललिता साहू	ग्राम पंचयात जंगलपुर में गोधन न्याय योजना की प्रगति का मूल्यांकन।
05	लेखिका मार्शल	प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण।
06	देवराज वर्मा	ग्राम पंचायत बरबसपुर में कृषि भूमि की उपयोग प्रवित्तियाँ।
07	जितेन्द्र कुमार	प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत हितग्राहियों की सामाजिक–आर्थिक अध्ययन।
08	संध्या कंवर	तेन्द्रपत्ता संग्रहण कर्ताओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
09	कंचन खुटेरे	भवन निर्माण में कार्यरत श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
10	नंदिता आल्हा	मुख्यमंत्री शहरी स्लम योजना के अंतर्गत हितग्राहियों का सामाजिक–आर्थिक अध्ययन।
11	नीता टेकाम	मनरेगा श्रमिकों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन (विकासखण्ड डोंगरगांव के ग्राम पंचायत ओडारबाध के संबंध में)।
12	पदमा कंवर	ग्राम पंचायत लालूटोला में स्वच्छता भारत अभियान की प्रगति का मूल्यांकन।
13	प्रतीक्षा श्रीवास्तव	मध्यान भोजन योजना में संलग्न महिलाओं की रोजगार, आय की स्थिति का अध्ययन।
14	प्रियंका उइके	राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र में आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्य प्रणाली का अध्ययन।
15	पुनेश्वरी मांडवी	ईंटभट्ठा में काम करने वाले मजदूरों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव के जिले के ग्राम पंचायत–घुपसाल के विशेष में संदर्भ में)।
16	मधुबाला	सार्वजनिक वितरण–प्रणाली के हितग्राहियों का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण (विकासखण्ड–डोंगरगांव के ग्राम पंचायत परना के संदर्भ में)।
17	मंजू सिन्हा	आयुष्मान योजना के हितग्राहियों के सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव के जिले के ग्राम पंचायत बोरी के संदर्भ में)।
18	दिव्या देशलहरे	राजनांदगांव शहर की ई–रिक्शा चालकों की रोजगार व आय की प्रवृत्ति।
19	धरमपाल	हमाली श्रमिक के आर्थिक व सामाजिक स्थिति के अध्ययन (राजनांदगांव जिले के विशेष संदर्भ में)।
20	धनेश कुमार	सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत मिलने वाले पेंशन योजना का मूल्यांकन ग्राम–रूदगांव के विशेष संदर्भ में)।
21	ढ़लेश साहू	राजनांदगांव जिला के सब्जी गंजमंडी के कार्यरत हमाल श्रमिकों के रोजगार–आय की प्रवृत्ति का विश्लेषण।
22	भूमिका बांगरे	Income – Expenditure Analysis of Rajnandgaon Muncipal Corporation.
23	भानुप्रिया पाल	छुईखदान बुनकर सहकारी समिति मर्यादित का आर्थिक स्थिति का विश्लेषण अध्ययन।

HEAD,
Department of Economics.
Govt. Digvijai College.
RAJNANDGAON (M. P.)

LOVELY

24	रचना कामडे	ब्यूटी पार्लर संचालक महिलाओं की रोजगार–आय प्रवृत्ति का अध्ययन (राजनांदगांव के संदर्भ में)।
25	वर्षा साहू	जन–धन योजना में निम्न वर्गों के हितग्राहियों के आर्थिक–सामाजिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव शहर के स्टेशन पारा के संदर्भ में)।
26	योगेश्वरी साहू	सब्जी की खेती करने वाले किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (ग्राम पंचायत–जराही के विशेष संदर्भ में)।
27	सागर सोनी	Banking Habits Among Rural People in Special Context to village Kirgi Rajnandgaon (C.G.)
28	सरिता श्रीवास	मसाला उद्योग में कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
29	हेमिन साहू	ग्रामीण जन–स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में मितानिनों की भूमिका (ग्राम–पंचायत खम्हारडीह के विशेष संदर्भ में)।
30	गोपीचंद चंद्रवंशी	तेन्दुपत्ता संग्रहकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
31	आशीष कुमार	मछली पालन में कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन।
32	गंगोत्री घावड़े	महिला स्व–सहायता समूह में कार्यरत महिलाओं की आर्थिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव जिले के ग्राम पंचायत तुर्रेगढ़ के संदर्भ में)।

HEAD,
Department of Economics,
Govt. Digvijai College,
RAJNANDGAON (M. P.)

LOVELY

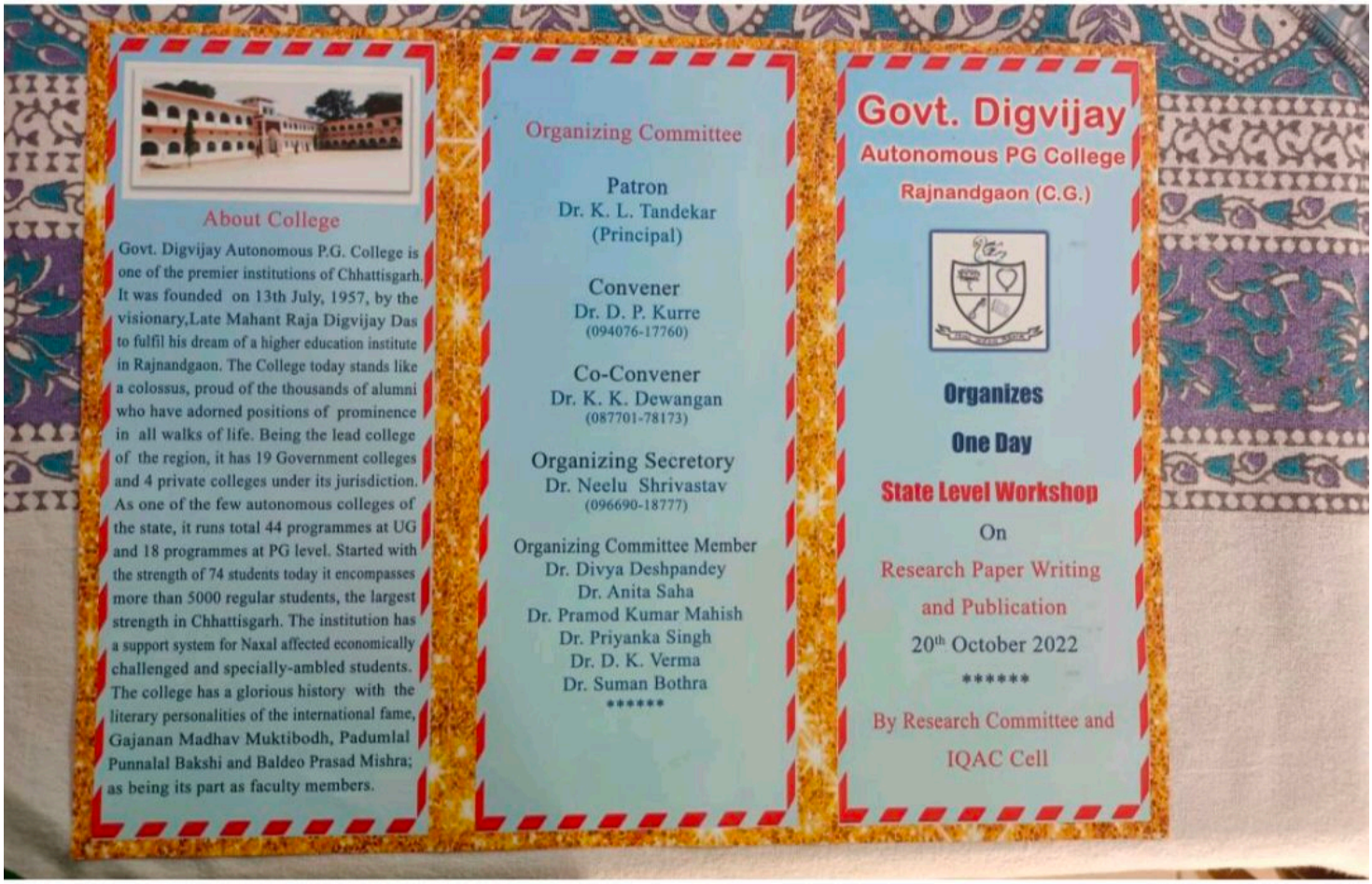

About College

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College is one of the premier institutions of Chhattisgarh. It was founded on 13th July, 1957, by the visionary,Late Mahant Raja Digvijay Das to fulfil his dream of a higher education institute in Rajnandgaon. The College today stands like a colossus, proud of the thousands of alumni who have adorned positions of prominence in all walks of life. Being the lead college of the region, it has 19 Government colleges and 4 private colleges under its jurisdiction. As one of the few autonomous colleges of the state, it runs total 44 programmes at UG and 18 programmes at PG level. Started with the strength of 74 students today it encompasses more than 5000 regular students, the largest strength in Chhattisgarh. The institution has a support system for Naxal affected economically challenged and specially-ambled students. The college has a glorious history with the literary personalities of the international fame, Gajanan Madhav Muktibodh, Padumlal Punnalal Bakshi and Baldeo Prasad Mishra; as being its part as faculty members.

Organizing Committee

Patron
Dr. K. L. Tandekar
(Principal)

Convener
Dr. D. P. Kurre
(094076-17760)

Co-Convener
Dr. K. K. Dewangan
(087701-78173)

Organizing Secretory
Dr. Neelu Shrivastav
(096690-18777)

Organizing Committee Member
Dr. Divya Deshpandey
Dr. Anita Saha
Dr. Pramod Kumar Mahish
Dr. Priyanka Singh
Dr. D. K. Verma
Dr. Suman Bothra

******

Govt. Digvijay
Autonomous PG College
Rajnandgaon (C.G.)

Organizes

One Day

State Level Workshop

On

Research Paper Writing

and Publication

20th October 2022

******

By Research Committee and

IQAC Cell

Objective of Workshop

Writing a research paper is the primary channel for passing on knowledge to scholars, academicians and educators working in the same field. Research paper writing helps to develop critical thinking, vast knowledge, better writing skills and efficient use of resources among scholars. Unlike Western universities, in India we do not have writing centres in our universities, where students get training and resources to develop their academic writing skills.These skills must be honed by repetitive exercise of reading, writing and revising. This workshop is being organized to impart fundamental skills to scholars in writing and publishing a research paper in a peer reviewed journal.The objective of this workshop is to unpack; what constitutes a great research paper and outline the steps and styles of writing it. It will focus on the ability to appropriately frame and structure a research argument and to understand the requirements of publication.

Registration Fee

Faculties	- 300.00
Guest teachers & Research Scholars	- 200.00

Chief Guest

Dr. H. K. Pathak
Vice Chancellor
Bharti Vishwavidyalaya,
Durg (C.G.)

Resource Persons

Prof. Vinod Sen
Prof. of Economics,
Indira Gandhi National Tribal University
Amarkantak (M.P.)

Prof. Tapesh Gupta
Prof. of Commerce,
Govt. J. Yoganandam Chhattisgarh College
Raipur (C.G.)

Prof. Anil Kumar
Prof. of Zoology,
Govt. V. Y. T. PG Science College
Durg (C.G.)

****

Bakshi Sabhagar,
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon

20th October 2022

Inauguration	10:30 – 11:15
Tea break	11:15 – 11:30
Technical Session1	11:30 – 12:30
Technical Session 2	12:30 – 01:30
Lunch Breaks	01:30 – 02:15
Technical Session 1	02:15 – 03:15
Technical Session 2	03:15 – 04:15
Valedictory	04:15 – 05:00

OVELY

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)
One Day State Level Workshop
on
Research Paper Writing & Publication
on
20th October, 2022
LOVELY

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)
One Day State Level Workshop
on
Research Paper Writing & Publication
on
20th October, 2022
Organized By
Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)
LOVELY

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

27-28 फरवरी 2023

आयोजक - वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग

– पंजीयन शुल्क –

प्राध्यापक एवं सहा. प्राध्यापक हेतु	500/–
शोधार्थियों, एवं अतिथि व्याख्याता हेतु	300/–
विद्यार्थियों हेतु	200/–

Online/Offline Payment:-

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA
BENEFICIARY :- CONTROLLER AUTONOMOUS DMV RJN
ACCOUNT NO. :- 10564179491
IFSC CODE :- SBIN0000464
MICR NO. :- 491002101
BRANCH NAME :- MAIN BRANCH

After Payment Please Upload a ScreenShot of the Transaction Detail in Google Form

शोध पत्रः–पंजीयन लिंकः–
https://docs.google.com/forms/d/10VTHwfzGesRfhMV7xIL4TvXdt8H3YNn-d5jQ9H_64Vc/edit

राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु शोध पत्र का माध्यम हिन्दी एवं अंग्रेजी होगा।
शोध आलेख एवं शोध सारांश प्रेषित करने की अंतिम तिथि :– 20 फरवरी 2023
हिंदी में : M.S.Word document A4 size in kurtidev 010 font size 12-14 with Line space
अंग्रेजी में : M.S.Word document A4 size times New Romanfont size 12with Line space
शोध पत्र को ई–मेल पर भेजा जा सकता है raginiparate0808@gmail.com
संपर्क करें 7999760959, 8817751682, 9826471807, 9424115744
शोध पत्र का प्रकाशन ISBN NO. के साथ शोध जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)
Phone : 07744-225036 email - principal@digvijaycollege.com

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

27-28 फरवरी 2023

प्रति,
प्रो./डॉ. ____________________
____
____
____

प्रेषक -
डॉ. के.एल. टाण्डेकर
प्राचार्य/संरक्षक
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.) मो. नं. 94241-11204

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

27-28 फरवरी 2023

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

प्रायोजक

उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन, रायपुर (छ.ग.)
स्वशासी प्रकोष्ठ, जनभागीदारी समिति, आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. के.एल. टाण्डेकर
प्राचार्य एवं संरक्षक
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष

डॉ. एच.एस. भाटिया, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य, 9893959436
डॉ. डी.पी. कुर्रे, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र, 9407617760

संयोजक

डॉ. एस.के. उके, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, 9424115744

संगठन सचिव

डॉ. महेश श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, 7999760959
प्रो. एच.सी. जैन, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य, 9826471807

आयोजक

वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगाँव(छ.ग.)

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं

Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

पर्यटन आज दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है। यह उद्योग रोजगार-आय सृजन में, विदेशी मुद्रा अर्जित करने में, बुनियादी ढाँचे के विकास में प्राचीन सभ्यता व संस्कृति के समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने में तथा अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ाने में मदद करता है। पर्यटन उद्योग का वैश्विक महत्व का अनुमान इस तथ्य से ही लगाया जा सकता है, कि विश्व भर में पर्यटकों की संख्या वर्ष 1951 में जहां 36.1 करोड़ थी वहीं 2011 में 121 करोड़ हो गई है। मारीशस, सिंगापुर, श्रीलंका जैसे देशों के जी.डी.पी. में पर्यटन का योगदान दूसरे स्थान पर है। विभिन्न अध्ययनों से यह पता चलता है, कि पर्यटन में रोजगार सृजन का अनुपात 4:1 का है। इसका यह अर्थ है कि चार पर्यटक एक व्यक्ति को रोजगार प्रदान करते है। भारत की विशाल भौगोलिक संरचना तथा समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के कारण यहां पर्यटन क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएँ है। इन्हीं कारणों से भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र में सुधार हेतु कई योजनाओं को लागू किया गया है। पर्यटन सेक्टर के विकास हेतु 'स्वदेशदर्शन योजना', विरासत स्थलों के विकास हेतु योजना तथा धार्मिक स्थलों के विकास हेतु 'प्रसाद योजना' इसमें प्रमुख है। इसके अलावा पर्यटन स्थलों पर रोप-वे के निर्माण, लॉजिस्टिक पार्कों तथा रेल्वे स्टेशनों के आस-पास की वाणिज्यिक भूमि के विकास पर बल दिया गया है। इसी तरह विदेशी पर्यटकों की सुविधा हेतु सरकार ने 166 देशों के लिए ई-वीजा व्यवस्था की शुरूआत की है। सरकार ने कुछ समय पूर्व अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में पहुंचने हेतु 24 घंटे के अंदर विदेशी पंजीकरण की बाध्यता को समाप्त कर दिया है। भारत सरकार द्वारा पर्यटकों के लिए तमाम तरह की सुविधाओं के बाद भी कई चुनौतियाँ है। बुनियादी ढांचें की अपार सामाजिक आर्थिक अवसंरचना होटल कनेक्टिविटी समस्याएँ विद्यमान है। अतुल्य भारत तथा अतिथि देवों भवः जैसे स्लोग्नों का व्यापक प्रचार-प्रसार अपने देश के भीतर अधिक नहीं है, इसीलिए घरेलू पर्यटन की वृद्धि दर महज 2.3 प्रतिशत ही रही है।

उपशीर्षक (Sub Theme) :-

एतिहासिक, भौगोलिक, आदिवासी पर्यटन
(Historical, Geographical, Tribal Tourism)
धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन (Religious and Cultural Tourism)
ग्रामीण एवं शैक्षणिक पर्यटन (Rural and Educational Tourism)
पर्यटन एवं रोजगार के अवसर
(Possibility of employment the Tourism Sector)
पर्यटन एवं सरकारी योजनाएं (Tourism and Government schemes)
पर्यटन उद्योग के विकास के आयाम, चुनौतियां
(Dimensions, Challenges of Development of Tourism Industry)
आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग की भूमिका
(Role of Tourism Industry in Economic Development)
पर्यटन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के प्रयोग की संभावनाएं
(Possibilities of Using Modern Technology in the Field of Tourism)
विश्व पर्यटन में भारत की भागीदारी
(India's Participation in World Tourism)
कोरोना वायरस की महामारी और पर्यटन उद्योग
(The Corona Virus Pandemic and the Tourism Industry)

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय :

राजनांदगाँव शिक्षा मंडल द्वारा 13 जुलाई सन् 1957 में स्थापित शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय उच्चतम शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में एक गौरवपूर्ण शिक्षण संस्थान है। इस महाविद्यालय का नाम वैरागी महंत राजा दिग्विजय दास से जुड़ा है। राजा जी इस नगर में उच्च शिक्षा के स्वप्नदृष्टा थे, इसलिए उन्होंने अपने राजमहल को दान किया था। महाविद्यालय की स्थापना के प्रथम वर्ष में 63 छात्र 9 छात्राएं तथा 6 प्राध्यापक थे। 27 अगस्त 1973 को यह महाविद्यालय शासनाधीन हुआ, तब से इसकी प्रगति यात्रा को एक नया मोड मिला और महाविद्यालय बहुआयामी पाठ्यक्रमों, गतिविधियों, सरोकारों तथा उपलब्धियों के साथ निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

वर्तमान में महाविद्यालय में 18 विषयों में स्नातकोत्तर, 24 विषयों में स्नातक और 10 विषयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में लगभग 6500 विद्यार्थियों का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। यह महाविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। वर्तमान में 9 अनुसंधान केन्द्र में 30 शोध निर्देशकों के निर्देशन में लगभग 100 शोधार्थी विभिन्न विषयों में अनुसंधान कार्य कर रहें हैं।

वाणिज्य विभाग का परिचय :–

महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग में स्नातक की कक्षाएं 1957 से एवं स्नातकोत्तर की कक्षाएं 1969 से संचालित हो रही है। शोध केन्द्र की स्थापना 2001 में की गई थी एवं वर्तमान में लगभग 1500 विद्यार्थी वाणिज्य विभाग में अध्ययनरत् है

अर्थशास्त्र विभाग का परिचय :–

महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में 1969 से स्नातकोत्तर की कक्षाएं संचालित हो रही है। विभाग द्वारा पूर्व में 5 संगोष्ठी आयोजित की जा चुकी है तथा राज्य शासन से स्वीकृत विभिन्न परियोजनाए पूर्ण की जा चुकी है।

आयोजन समितिः–

डॉ सुमिता श्रीवास्तव, सहा. प्राध्यापक
डॉ मीना प्रसाद, सहा. प्राध्यापक
प्रो. संजय देवांगन, सहा. प्राध्यापक
प्रो. रागिनी पराते, सहा. प्राध्यापक
श्रीमती स्वयसिद्धा झा, अतिथि व्याख्याता
डॉ. दिव्या पवार, अतिथि व्याख्याता
डॉ प्रज्ञा मिश्रा, अतिथि व्याख्याता
कु. तरूणा वर्मा, अतिथि व्याख्याता
कु. ललिता रजक अतिथि व्याख्याता

सलाहकार समितिः–

डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल प्राचार्य शास. शिवनाथ महाविद्यालय राजनांदगाँव (छ.ग.)
डॉ. पी.पी.चंद्रवंशी प्राचार्य शास. महाविद्यालय बेमेतरा (छ.ग.)
डॉ पी.एस.कातुलकर विभागाध्यक्ष शास. महाविद्यालय बालाघाट (म.प्र.)
डॉ. अनिल जैन विभागाध्यक्ष शास. महाविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)
डॉ अंजना ठाकुर विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
डॉ शैलेन्द्र सिंह विभागाध्यक्ष इतिहास शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
प्रो. किरण लता दामले विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
डॉ त्रिलोक देव सहायक प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
डॉ प्रमोद महीश विभागाध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
प्रो. युनुस रजा बेग विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

27-28 फरवरी 2023

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि

माननीय कुलपति, कृष्णा वि.वि. छतरपुर म.प्र.

संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता

डॉ. तुषार विनायक चौधरी, सह प्राध्यापक, सेठ के.पी. महाविद्यालय, कामठी नागपुर
डॉ. आर.पी. मोहरे, प्राध्यापक एवं पूर्व विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, नागपुर वि.वि. महाराष्ट्र
डॉ. प्रहलाद कुमार, पूर्व विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद वि.वि
डीन, हेमचंद यादव वि.वि. दुर्ग

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
on
Challenges, Development and
Possibilities in Tourism Industry
22-28 FEBRUARY 2023
DEPARTMENT OF COMMERCE & ECONOMICS
LOVELY

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
on
Challenges, Development and
Possibilities in Tourism Industry
पर्यटन उद्योग : विकास चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
27-28 FEBRUARY 2023
organized by
DEPARTMENT OF COMMERCE & ECONOMICS
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon
LOVELY

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

विषय :– एम.ए.अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों के पर्यावरणीय भ्रमण की अनुमति तथा इस हेतु राशि प्रदान करने बाबत्।

—''—

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि दिनांक 07.04.2023 को एम.ए. अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों का गंगरेल बांध व मॉडम सिल्ली बांध का पर्यावरणीय भ्रमण प्रस्तावित हैं। इस पर्यावरणीय भ्रमण हेतु सभी आवश्यक तैयारी पूर्ण कर ली गई है और सभी छात्रों के अभिभावकों से भ्रमण में जाने हेतु पूर्वानुमति ली गई है। इस भ्रमण में अर्थशास्त्र के 03 प्राध्यापक छात्रों के साथ रहेंगे।

महोदय से आग्रह है कि उक्त पर्यावरणीय भ्रमण हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे तथा इसके लिए महाविद्यालय द्वारा प्रदाय राशि स्वीकृत करने का कष्ट करेंगे।

सादर !

दिनांक : 5.04.2023

संलग्न :– भ्रमण हेतु पूर्व की स्वीकृति पत्र।

भवदीय
(हस्ताक्षर) 5/4/23
डॉ. डी.पी.कुर्रे
विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र
शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय
राजनांदगांव (छ.ग.)

HEAD,
Department of Economics.
Govt. Digvijai College.
RAJNANDGAON (M. P.)

A/c
राशि प्रदाय करें
(हस्ताक्षर)

LOVELY

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनाँदगांव

अर्थशास्त्र विभाग

दिनांक 07/04/2023 को पर्यावरण अध्ययन भ्रमण पर एम० ए० अर्थशास्त्र के निम्न विद्यार्थीगण शामिल होंगे —

क्रमांक	नाम	हस्ताक्षर	क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1.	भूमिका कांगरे	Bhumika	22	वर्षा साहू	Sahu
2.	सागर सोनी	[illegible]	23	गंगोत्री	Gnangotri
3.	देवराज वर्मा	[illegible]	24	रचना कामडे	Rachankamde
4.	दलेश	[illegible]	25	धनेशा	[illegible]
5.	सरिता	[illegible]	26	आशिष कुमार	[illegible]
6.	किरण	Kiran	27	ईश्वरी शर्मा	Ishwari
7.	मधुबाला	मधुबाला	28	दुर्गेश मरकाम	Dkumar
8.	नीता	नीता तेलुलकर	29	गिलेश्वर	[illegible]
9.	ललिता साहू	Lalita	30	कृतेश	Kritesh
10.	गोपीचन्द	[illegible]	31	आशिक	[illegible]
11.	जितेन्द्र	jitendrakumar	32	राहुल	[illegible]
12.	प्रतीक्षा	Pratiksha	33	नीतिन	[illegible]
13.	लेखिका	Lekhika	34	तनुज	[illegible]
14.	योगेश्वरी	Yogeshwari	35	अजय	Ajay
15.	कंचन खुटेरी	कंचन खुटेरी	36	मलेश	[illegible]
16.	पदमा	[illegible]	37	कुमेश	[illegible]
17.	खुशबू	Khushboo	38	सतीश	[illegible]
18.	हेमिन साहू	Heminsahu	39	दिव्या	[illegible]
19.	नंदिता	नंदिता	40	तेजेश्वरी	[illegible]
20.	प्रियंका	Priyanka	41	सागर	Sagar khutel
21.	धनराज	धनराज	42	राकेश	[illegible]
			43	तरुण	[illegible]
			44	भानुप्रिया	Bhanupriya
			45	मंजू	[illegible]

HEAD,
Department of Economics.
Govt. Digvijai College.
RAJNANDGAON (M. P.)

अर्थशास्त्र विभाग

Dept. of Economics

Research Project – Topics

M.A. IV Semester – Economics

2022-2023

01	किरण कोवाची	ग्राम पंचायत करमरी के जनजातिय की अभिभावकों की शैक्षणिक अभिवृत्ति का विश्लेषण।
02	खुशबू साहू	सफाई कर्मचारियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव में लखोली नगर के संदर्भ में)।
03	कीर्तन कुमार साहू	फुटकर व्यापारी के सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
04	ललिता साहू	ग्राम पंचयात जंगलपुर में गोधन न्याय योजना की प्रगति का मूल्यांकन।
05	लेखिका मार्शल	प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण।
06	देवराज वर्मा	ग्राम पंचायत बरबसपुर में कृषि भूमि की उपयोग प्रवित्तियाँ।
07	जितेन्द्र कुमार	प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अन्तर्गत हितग्राहियों की सामाजिक–आर्थिक अध्ययन।
08	संध्या कंवर	तेन्द्रपत्ता संग्रहण कर्ताओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
09	कंचन खुटेरे	भवन निर्माण में कार्यरत श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
10	नंदिता आल्हा	मुख्यमंत्री शहरी स्लम योजना के अंतर्गत हितग्राहियों का सामाजिक–आर्थिक अध्ययन।
11	नीता टेकाम	मनरेगा श्रमिकों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन (विकासखण्ड डोंगरगांव के ग्राम पंचायत ओडारबाध के संबंध में)।
12	पदमा कंवर	ग्राम पंचायत लालूटोला में स्वच्छता भारत अभियान की प्रगति का मूल्यांकन।
13	प्रतीक्षा श्रीवास्तव	मध्यान भोजन योजना में संलग्न महिलाओं की रोजगार, आय की स्थिति का अध्ययन।
14	प्रियंका उइके	राजनांदगांव नगर निगम क्षेत्र में आंगनबाड़ी केन्द्रों की कार्य प्रणाली का अध्ययन।
15	पुनेश्वरी मांडवी	ईंटभट्ठा में काम करने वाले मजदूरों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव के जिले के ग्राम पंचायत–घुपसाल के विशेष में संदर्भ में)।
16	मधुबाला	सार्वजनिक वितरण–प्रणाली के हितग्राहियों का सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण (विकासखण्ड–डोंगरगांव के ग्राम पंचायत परना के संदर्भ में)।
17	मंजू सिन्हा	आयुष्मान योजना के हितग्राहियों के सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव के जिले के ग्राम पंचायत बोरी के संदर्भ में)।
18	दिव्या देशलहरे	राजनांदगांव शहर की ई–रिक्शा चालकों की रोजगार व आय की प्रवृत्ति।
19	धरमपाल	हमाली श्रमिक के आर्थिक व सामाजिक स्थिति के अध्ययन (राजनांदगांव जिले के विशेष संदर्भ में)।
20	धनेश कुमार	सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत मिलने वाले पेंशन योजना का मूल्यांकन ग्राम–रूदगांव के विशेष संदर्भ में)।
21	ढ़लेश साहू	राजनांदगांव जिला के सब्जी गंजमंडी के कार्यरत हमाल श्रमिकों के रोजगार–आय की प्रवृत्ति का विश्लेषण।
22	भूमिका बांगरे	Income – Expenditure Analysis of Rajnandgaon Muncipal Corporation.
23	भानुप्रिया पाल	छुईखदान बुनकर सहकारी समिति मर्यादित का आर्थिक स्थिति का विश्लेषण अध्ययन।

HEAD,
Department of Economics.
Govt. Digvijai College.
RAJNANDGAON (M. P.)

LOVELY

24	रचना कामडे	ब्यूटी पार्लर संचालक महिलाओं की रोजगार–आय प्रवृत्ति का अध्ययन (राजनांदगांव के संदर्भ में)।
25	वर्षा साहू	जन–धन योजना में निम्न वर्गों के हितग्राहियों के आर्थिक–सामाजिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव शहर के स्टेशन पारा के संदर्भ में)।
26	योगेश्वरी साहू	सब्जी की खेती करने वाले किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन (ग्राम पंचायत–जराही के विशेष संदर्भ में)।
27	सागर सोनी	Banking Habits Among Rural People in Special Context to village Kirgi Rajnandgaon (C.G.)
28	सरिता श्रीवास	मसाला उद्योग में कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
29	हेमिन साहू	ग्रामीण जन–स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में मितानिनों की भूमिका (ग्राम–पंचायत खम्हारडीह के विशेष संदर्भ में)।
30	गोपीचंद चंद्रवंशी	तेन्दुपत्ता संग्रहकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन।
31	आशीष कुमार	मछली पालन में कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन।
32	गंगोत्री घावड़े	महिला स्व–सहायता समूह में कार्यरत महिलाओं की आर्थिक स्थिति का अध्ययन (राजनांदगांव जिले के ग्राम पंचायत तुर्रेगढ़ के संदर्भ में)।

HEAD,
Department of Economics,
Govt. Digvijai College,
RAJNANDGAON (M. P.)

LOVELY

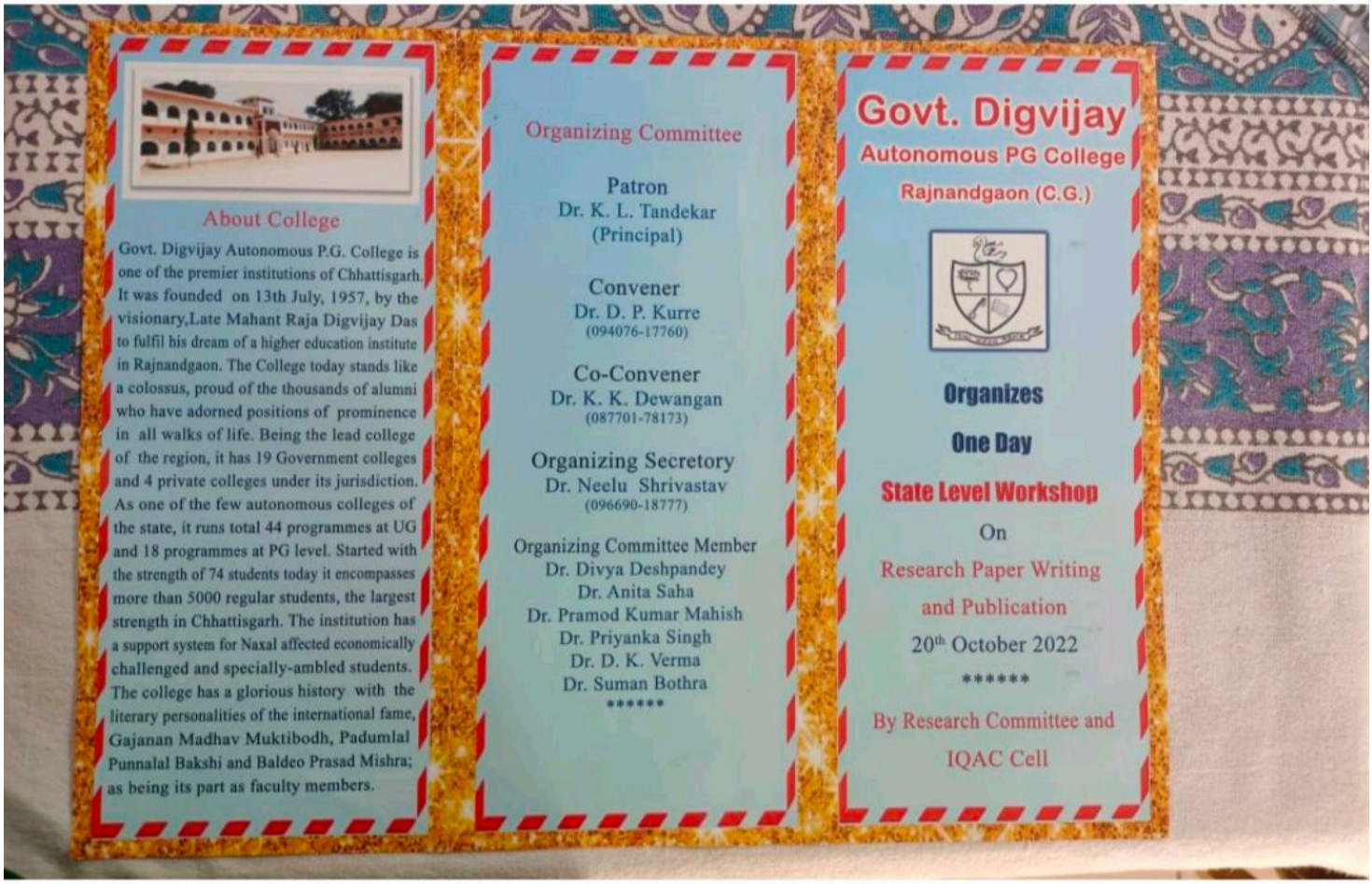

About College

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College is one of the premier institutions of Chhattisgarh. It was founded on 13th July, 1957, by the visionary,Late Mahant Raja Digvijay Das to fulfil his dream of a higher education institute in Rajnandgaon. The College today stands like a colossus, proud of the thousands of alumni who have adorned positions of prominence in all walks of life. Being the lead college of the region, it has 19 Government colleges and 4 private colleges under its jurisdiction. As one of the few autonomous colleges of the state, it runs total 44 programmes at UG and 18 programmes at PG level. Started with the strength of 74 students today it encompasses more than 5000 regular students, the largest strength in Chhattisgarh. The institution has a support system for Naxal affected economically challenged and specially-ambled students. The college has a glorious history with the literary personalities of the international fame, Gajanan Madhav Muktibodh, Padumlal Punnalal Bakshi and Baldeo Prasad Mishra; as being its part as faculty members.

Organizing Committee

Patron
Dr. K. L. Tandekar
(Principal)

Convener
Dr. D. P. Kurre
(094076-17760)

Co-Convener
Dr. K. K. Dewangan
(087701-78173)

Organizing Secretory
Dr. Neelu Shrivastav
(096690-18777)

Organizing Committee Member
Dr. Divya Deshpandey
Dr. Anita Saha
Dr. Pramod Kumar Mahish
Dr. Priyanka Singh
Dr. D. K. Verma
Dr. Suman Bothra

******

Govt. Digvijay
Autonomous PG College
Rajnandgaon (C.G.)

Organizes

One Day

State Level Workshop

On

Research Paper Writing

and Publication

20th October 2022

******

By Research Committee and

IQAC Cell

Objective of Workshop

Writing a research paper is the primary channel for passing on knowledge to scholars, academicians and educators working in the same field. Research paper writing helps to develop critical thinking, vast knowledge, better writing skills and efficient use of resources among scholars. Unlike Western universities, in India we do not have writing centres in our universities, where students get training and resources to develop their academic writing skills.These skills must be honed by repetitive exercise of reading, writing and revising. This workshop is being organized to impart fundamental skills to scholars in writing and publishing a research paper in a peer reviewed journal.The objective of this workshop is to unpack; what constitutes a great research paper and outline the steps and styles of writing it. It will focus on the ability to appropriately frame and structure a research argument and to understand the requirements of publication.

Registration Fee

Faculties	- 300.00
Guest teachers & Research Scholars	- 200.00

Chief Guest

Dr. H. K. Pathak
Vice Chancellor
Bharti Vishwavidyalaya,
Durg (C.G.)

Resource Persons

Prof. Vinod Sen
Prof. of Economics,
Indira Gandhi National Tribal University
Amarkantak (M.P.)

Prof. Tapesh Gupta
Prof. of Commerce,
Govt. J. Yoganandam Chhattisgarh College
Raipur (C.G.)

Prof. Anil Kumar
Prof. of Zoology,
Govt. V. Y. T. PG Science College
Durg (C.G.)

****

Bakshi Sabhagar,
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon

20th October 2022

Inauguration	10:30 – 11:15
Tea break	11:15 – 11:30
Technical Session1	11:30 – 12:30
Technical Session 2	12:30 – 01:30
Lunch Breaks	01:30 – 02:15
Technical Session 1	02:15 – 03:15
Technical Session 2	03:15 – 04:15
Valedictory	04:15 – 05:00

OVELY

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)
One Day State Level Workshop
on
Research Paper Writing & Publication
on
20th October, 2022
LOVELY

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)
One Day State Level Workshop
on
Research Paper Writing & Publication
on
20th October, 2022
LOVELY

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियॉं एवं संभावनाएं

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

27-28 फरवरी 2023

आयोजक - वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग

– पंजीयन शुल्क –

प्राध्यापक एवं सहा. प्राध्यापक हेतु	500/–
शोधार्थियों, एवं अतिथि व्याख्याता हेतु	300/–
विद्यार्थियों हेतु	200/–

Online/Offline Payment:-

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA
BENEFICIARY :- CONTROLLER AUTONOMOUS DMV RJN
ACCOUNT NO. :- 10564179491
IFSC CODE :- SBIN0000464
MICR NO. :- 491002101
BRANCH NAME :- MAIN BRANCH
After Payment Please Upload a ScreenShot of the Transaction Detail in Google Form

शोध पत्रः–पंजीयन लिंकः–
https://docs.google.com/forms/d/10VTHwfzGesRfhMV7xIL4TvXdt8H3YNn-d5jQ9H_64Vc/edit

राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु शोध पत्र का माध्यम हिन्दी एवं अंग्रेजी होगा।
शोध आलेख एवं शोध सारांश प्रेषित करने की अंतिम तिथि :– 20 फरवरी 2023
हिंदी में : M.S.Word document A4 size in kurtidev 010 font size 12-14 with Line space
अंग्रेजी में : M.S.Word document A4 size times New Romanfont size 12with Line space
शोध पत्र को ई–मेल पर भेजा जा सकता है raginiparate0808@gmail.com
संपर्क करें 7999760959, 8817751682, 9826471807, 9424115744
शोध पत्र का प्रकाशन ISBN NO. के साथ शोध जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा।

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

Phone : 07744-225036 e.mail - principal@digvijaycollege.com

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियॉं एवं संभावनाएं

Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

27-28 फरवरी 2023

प्रति,
प्रो./डॉ. ____________________
____
____
____

प्रेषक -
डॉ. के.एल. टाण्डेकर
प्राचार्य/संरक्षक
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.) मो. नं. 94241-11204

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

27-28 फरवरी 2023

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियॉं एवं संभावनाएं

Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

प्रायोजक

उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन, रायपुर (छ.ग.)
स्वशासी प्रकोष्ठ, जनभागीदारी समिति, आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. के.एल. टाण्डेकर
प्राचार्य एवं संरक्षक
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
राजनांदगाँव (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष

डॉ. एच.एस. भाटिया
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य
9893959436

डॉ. डी.पी. कुर्रे
विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र
9407617760

संयोजक

डॉ. एस.के. उके
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य
9424115744

संगठन सचिव

डॉ. महेश श्रीवास्तव
सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र
7999760959

प्रो. एच.सी. जैन
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य
9826471807

आयोजक

वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
राजनांदगाँव(छ.ग.)

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियॉं एवं संभावनाएं

Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

पर्यटन आज दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है। यह उद्योग रोजगार–आय सृजन में, विदेशी मुद्रा अर्जित करने में, बुनियादी ढॉंचे के विकास में प्राचीन सभ्यता व संस्कृति के समृद्ध विरासत को संरक्षित रखने में तथा अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ाने में मदद करता है। पर्यटन उद्योग का वैश्विक महत्व का अनुमान इस तथ्य से ही लगाया जा सकता है, कि विश्व भर में पर्यटको की संख्या वर्ष 1961 में जहां 36.1 करोड़ थी वहीं 2011 में 121 करोड़ हो गई है। मारीशस, सिंगापुर, श्रीलंका जैसे देशों के जी.डी.पी. में पर्यटन का योगदान दूसरे स्थान पर है। विभिन्न अध्ययनों से यह पता चलता है, कि पर्यटन में रोजगार सृजन का अनुपात 4:1 का है। इसका यह अर्थ है कि चार पर्यटक एक व्यक्ति को रोजगार प्रदान करते है। भारत की विशाल भौगोलिक संरचना तथा समृद्व ऐतिहासिक विरासत के कारण यहां पर्यटन क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाऐं हैं। इन्हीं कारणों से भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र में सुधार हेतु कई योजनाओं को लागू किया गया है। पर्यटन सेक्टर के विकास हेतु 'स्वदेशदर्शन योजना', विरासत स्थलों के विकास हेतु योजना तथा धार्मिक स्थलों के विकास हेतु 'प्रसाद योजना' इसमें प्रमुख है। इसके अलावा पर्यटन स्थलों पर रोप–वे के निर्माण, लॉजिस्टिक पार्को तथा रेल्वे स्टेशनों के आस–पास की वाणिज्यिक भूमि के विकास पर बल दिया गया है। इसी तरह विदेशी पर्यटको की सुविधा हेतु सरकार ने 166 देशों के लिए ई–वीजा व्यवस्था की शुरूआत की है। सरकार ने कुछ समय पूर्व अंडमान–निकोबार द्वीप समूह में पहुंचने हेतु 24 घंटे के अंदर विदेशी पंजीकरण की बाध्यता को समाप्त कर दिया है। भारत सरकार द्वारा पर्यटको के लिए तमाम तरह की सुविधाओं के बाद भी कई चुनौतियॉं हैं। बुनियादी ढांचें की अपार सामाजिक आर्थिक अवसंरचना होटल कनेक्टिविटी समस्याऐं विद्यमान है। अतुल्य भारत तथा अतिथि देवों भव: जैसे स्लोग्नों का व्यापक प्रचार–प्रसार अपने देश के भीतर अधिक नहीं हैं, इसीलिए घरेलू पर्यटन की वृद्वि दर महज 2.3 प्रतिशत ही रही है।

उपशीर्षक (Sub Theme) :-

- एतिहासिक, भौगोलिक, आदिवासी पर्यटन (Historical, Geographical, Tribal Tourism)
- धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन (Religious and Cultural Tourism)
- ग्रामीण एवं शैक्षणिक पर्यटन (Rural and Educational Tourism)
- पर्यटन एवं रोजगार के अवसर (Possibility of employment the Tourism Sector)
- पर्यटन एवं सरकारी योजनाएं (Tourism and Government schemes)
- पर्यटन उद्योग के विकास के आयाम, चुनौतियां (Dimensions, Challenges of Development of Tourism Industry)
- आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योग की भूमिका (Role of Tourism Industry in Economic Development)
- पर्यटन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के प्रयोग की संभावनाएं (Possibilities of Using Modern Technology in the Field of Tourism)
- विश्व पर्यटन में भारत की भागीदारी (India's Participation in World Tourism)
- कोरोना वायरस की महामारी और पर्यटन उद्योग (The Corona Virus Pandemic and the Tourism Industry)

महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय :

राजनांदगॉंव शिक्षा मंडल द्वारा 13 जुलाई सन् 1957 में स्थापित शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय उच्चतम शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में एक गौरवपूर्ण शिक्षण संस्थान है। इस महाविद्यालय का नाम वैरागी महंत राजा दिग्विजय दास से जुड़ा है। राजा जी इस नगर में उच्च शिक्षा के स्वप्नदृष्टा थे, इसलिए उन्होंनें अपने राजमहल को दान किया था। महाविद्यालय की स्थापना के प्रथम वर्ष में 63 छात्र 9 छात्राएं तथा 6 प्राध्यापक थे। 27 अगस्त 1973 को यह महाविद्यालय शासनाधीन हुआ, तब से इसकी प्रगति यात्रा को एक नया मोड मिला और महाविद्यालय बहुआयामी पाठ्यक्रमों, गतिविधियों, सरोकारों तथा उपलब्धियों के साथ निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

वर्तमान में महाविद्यालय में 18 विषयों में स्नातकोत्तर, 24 विषयों में स्नातक और 10 विषयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में लगभग 6500 विद्यार्थियों का अध्ययन-अध्यापन हो रहा है। यह महाविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। वर्तमान में 9 अनुसंधान केन्द्र में 30 शोध निर्देशकों के निर्देशन में लगभग 100 शोधार्थी विभिन्न विषयों में अनुसंधान कार्य कर रहें हैं।

वाणिज्य विभाग का परिचय :–

महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग में स्नातक की कक्षाएं 1957 से एवं स्नातकोत्तर की कक्षाएं 1969 से संचालित हो रही है। शोध केन्द्र की स्थापना 2001 में की गई थी एवं वर्तमान में लगभग 1500 विद्यार्थी वाणिज्य विभाग में अध्ययनरत् है

अर्थशास्त्र विभाग का परिचय :–

महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में 1969 से स्नातकोत्त्र की कक्षाएं संचालित हो रही है। विभाग द्वारा पूर्व में 5 संगोष्ठी आयोजित की जा चुकी है तथा राज्य शासन से स्वीकृत विभिन्न परियोजनाए पूर्ण की जा चुकी है।

आयोजन समितिः–

डॉ सुमिता श्रीवास्तव, सहा. प्राध्यापक
डॉ मीना प्रसाद, सहा. प्राध्यापक
प्रो. संजय देवागन, सहा. प्राध्यापक
प्रो. रागिनी पराते, सहा. प्राध्यापक
श्रीमती स्वयसिद्धा झा, अतिथि व्याख्याता
डॉ. दिव्या पवार, अतिथि व्याख्याता
डॉ प्रज्ञा मिश्रा, अतिथि व्याख्याता
कु. तरूणा वर्मा, अतिथि व्याख्याता
कु. ललिता रजक अतिथि व्याख्याता

सलाहकार समितिः–

डॉ. श्रीमती सुमन सिंह बघेल प्राचार्य शास. शिवनाथ महाविद्यालय राजनांदगॉंव (छ.ग.)
डॉ. पी.पी. चद्रवंशी प्राचार्य शास. महाविद्यालय बेमेतरा (छ.ग.)
डॉ पी.एस.कातुलकर विभागाध्यक्ष शास. महाविद्यालय बालाघाट (म.प्र.)
डॉ. अनिल जैन विभागाध्यक्ष शास. महाविद्यालय छिंदवाड़ा (म.प्र.)
डॉ अंजना ठाकुर विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
डॉ शैलेन्द्र सिंह विभागाध्यक्ष इतिहास शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
प्रो. किरण लता दामले विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
डॉ त्रिलोक देव सहायक प्राध्यापक, वनस्पतिशास्त्र शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
डॉ प्रमोद महीश विभागाध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)
प्रो. युनुस रजा बेग विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र शास. दिग्विजय महा. राज. (छ.ग.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR

पर्यटन उद्योग : विकास, चुनौतियॉं एवं संभावनाएं

Challenges, Development and Possibilities in Tourism Industry

27-28 फरवरी 2023

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि

डॉ. अनिल धगट
माननीय कुलपति, कृष्णा वि.वि. छतरपुर म.प्र.

संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता

डॉ. तुषार विनायक चौधरी
सह प्राध्यापक
सेठ के.पी. महाविद्यालय
कामठी नागपुर

डॉ. आर.पी. मोहरे
प्राध्यापक एवं
पूर्व विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग
नागपुर वि.वि. महाराष्ट्र

डॉ. प्रहलाद कुमार
पूर्व विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग
इलाहाबाद वि.वि

डॉ. एच.पी. सिंह सलूजा
डीन
हेमचंद यादव वि.वि. दुर्ग

शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगाँव(छ.ग.)

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
on
Challenges, Development and
Possibilities in Tourism Industry
22-28 FEBRUARY 2023
DEPARTMENT OF COMMERCE & ECONOMICS
LOVELY

TWO DAYS NATIONAL SEMINAR
दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी
on
Challenges, Development and
Possibilities in Tourism Industry
पर्यटन उद्योग : विकास चुनौतियाँ एवं संभावनाएं
27-28 FEBRUARY 2023
organized by
DEPARTMENT OF COMMERCE & ECONOMICS
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon
LOVELY